EDITOR'S SCATVIEW

Manoj Kumar Madhavan

The media, broadcasting, and telecommunications landscape is undergoing a profound structural evolution, driven by regulatory refinement, digital convergence, and shifting monetization models.

In this issue , we examine how operators and content providers across the distribution value chain are adapting to these changing dynamics.

In our Telecom Spotlight, we analyze TRAI's proposed amendments to the 2024 Quality of Service (QoS) regulations. By placing 5G network slicing, coverage-map transparency, network congestion, and broadband performance under stricter regulatory oversight, policymakers are signaling a zero-tolerance approach toward service degradation. For operators, regulatory compliance is no longer just a legal mandate,it is a core operational priority.

Simultaneously, traditional delivery networks are reinventing their commercial strategies. Our Market Report explores how cable television operators are turning Platform Services (PS) channels into targeted, hyperlocal advertising engines to unlock fresh revenue streams in an increasingly crowded market.

In our OTT Spotlight, we look at how smaller, independent streaming services are navigating market consolidation driven by mega-platforms like JioHotstar, Netflix, and Prime Video. Over 30 niche OTT platforms are abandoning pure volume growth in favor of deep regional relevance, agile content pipelines, and direct IP ownership.

We also track ongoing regulatory and legal developments in our second Market Report, examining the Telecom Disputes Settlement and Appellate Tribunal's (TDSAT) decision to implead 64 major television networks in the ongoing dispute surrounding Prasar Bharati's WAVES OTT platform,a case that could redefine linear content distribution over digital networks.

Finally, our Data Analysis offers a comprehensive breakdown of the multi-system operators (MSOs) powering India's cable ecosystem. As the industry consolidates, tracking these key infrastructure players remains vital for understanding last-mile connectivity and market reach.

We hope this edition offers valuable strategic clarity as you navigate the changing landscape ahead.

(Manoj Kumar Madhavan)

मीडिया, प्रसारण और दूरसंचार क्षेत्र में बड़े संरचनात्मक बदलाव हो रहे हैं। ये बदलाव रेगुलेटरी सुधारों, डिजिटल कन्वर्जेंस और बदलते मॉनेटाइजेशन मॉडल की वजह से हो रहे हैं।

इस अंक में, हम देखेंगे कि वितरण वैल्यू चेन में शामिल ऑपरेटर्स और कंटेंट प्रदायक इन बदलते हालात के हिसाब से खुद को कैसे ढाल रहे हैं।

*हमारे 'टेलीकॉम स्पॉटलाइट' में, हम ट्राई के **2024** के 'सर्विस की क्वालिटी' (क्यूओएस) नियमों में प्रस्तावित बदलावों का विश्लेषण करते हैं। 5जी नेटवर्क स्लाइसिंग, कवरेज मैप की पारदर्शिता, नेटवर्क पर भीड़ (कंजेशन) और ब्रॉडबैंड प्रदर्शन को सख्त रेगुलेटरी निगरानी में रखकर, पॉलिसी बनाने वाले सेवा की क्वालिटी घटने के मामले में जीरो टॉलरेंस का रुख अपना रहे हैं। ऑपरेटरों के लिए, नियमों का पालन करना अब सिर्फ कानूनी जरूरत नहीं है, बल्कि उनके कामकाज की मुख्य प्राथमिकता है।*

साथ ही, पारंपरिक डिलीवरी नेटवर्क अपनी वाणिज्यिक रणनीतियों को नये सिरे से तैयार कर रहे हैं। हमारी मार्केट रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे केबल टीवी ऑपरेटर, बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धी बाजार में कमायी के नये जरिया बनाने के लिए प्लेटफॉर्म सेवा (पीएस) चैनलों को टारगेट, हाइपरलोकल विज्ञापन इंजन में बदल रहे हैं।

*हमारे ओटीटी स्पॉटलाइट में, हम देखते हैं कि कैसे छोटी, स्वतंत्र स्ट्रीमिंग सेवा जियोहॉटस्टार, नेटफ्लिक्स और प्राइम वीडियो जैसे बड़े प्लेटफॉर्म की वजह से हो रहे बाजार एकीकरण का सामना कर रही हैं। **30** से ज्यादा खास तरह के ओटीटी प्लेटफॉर्म सिर्फ वॉल्यूम बढ़ाने के बजाय, क्षेत्रीयस्तर पर ज्यादा प्रासंगिकता, तेजी से कंटेंट लाने की क्षमता और सीधे आईपी ओनरशिप पर ध्यान दे रहे हैं।*

*हम अपनी दूसरी मार्केट रिपोर्ट में रेगुलेटरी और कानूनी बदलावों पर भी नजर रखते हैं। इसमें हम प्रसार भारती के वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म से जुड़े विवाद में **64** बड़े टेलीविजन नेटवर्क को शामिल करने के टेलीकॉम डिस्प्यूट्स सेटलमेंट एंड अपीलेट ट्रिब्यूनल (टीडीसेट) के फैसले की समीक्षा करते हैं। यह मामला डिजिटल नेटवर्क पर लीनियर कंटेंट वितरण के तरीके को पूरी तरह बदल सकता है।*

आखिर में, हमारा डेटा एनालिसिस भारत के केबल इकोसिस्टम को चलाने वाले मल्टी सिस्टम ऑपरेटर्स (एमएसओ) का पूरा ब्यौरा देता है। जैसे-जैसे यह उद्योग एकसाथ आ रही है, 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' और बाजार तक पहुंच को समझने के लिए इन अहम संरचना प्लेयर्स पर नजर रखना जरूरी हो गया है।

हमें उम्मीद है कि यह संस्करण आपको भविष्य के बदलते हालात को समझने और आगे बढ़ने में जरूरी रणनीतिक स्पष्टता प्रदान करेगा।

(Manoj Kumar Madhavan)